वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी दिवस समारोह की रिपोर्ट

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान , कोयम्बत्तूर में 14 सितम्बर 2015 को हिन्दी दिवस समारोह मनाया गया। इस समारोह में सभी ने हर्षोल्लास से भाग लिया। इस कार्यक्रम में नेशनल टेक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड, कोयम्बत्तूर के उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री उमेश नारयण त्रिपाठी जी मुख्य अथिति के रूप में पधारे। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम डाँ .बी.गुरुदेव सिंह ,समूह समन्वयक (अनुसंधान) एवं हिन्दी समिति के अध्यक्ष ने सभी का स्वागत किया। डाँ .वि.कु.वा.बाचपई, हिन्दी नोडल अधिकारी ने सभी के समक्ष हिन्दी वार्षिक रिपोर्ट पेश किया। श्री आर.एस.प्रशांत,भ.व.से., निदेशक जी ने हिन्दी के महत्व पर सुन्दर भाषण प्रस्तुत किया। उस भाषण में उन्होंने भाषा का महत्व बताते हुए कहा कि हिन्दी भाषा एक ऐसी भाषा है जिसे भारत के कई राज्यों में बोली जाती है और जिस एक भाषा को सीख लेने से न सिर्फ सरकारी कामकाज में उपयोगी होगा बल्कि व्यक्तिगत कार्यों में भी उपयोगी सिद्ध होगा। इसलिए उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सभी को जरूर हिन्दी सीखनी चाहिए और भारत सरकार के नियमों का पालन करना चाहिए।

हिन्दी दिवस मनाने का मुख्य उध्देश्य राजभाषा के प्रति लोगों की रूचि बढाना और उसके महत्व के प्रति जागृत करना ही है। इसी उध्देश्य से हिन्दी दिवस के इस सुअवसर पर ***प्रशासनिक शब्दावली एवं अनुवाद प्रतियोगिता, सारांश साफ्टवेयर की सहायता से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता, हिन्दी वक्तृत्व प्रतियोगिता आदि*** प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने उमंग-उत्साह से भाग लिया।

प्रतियोगिताओं में विजय हुए विजेताओं को मुख्य अथिति ने प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया और प्रोत्साहित भी किया। उसके बाद मुख्य अथिति ने अपने कमल वचनों से सभी को सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग के बारे में संक्षिप्त भाषण दिया और कहा कि छोटी-छोटी बातों में ध्यान देने से ही हिन्दी के कार्यान्वयन में प्रगति की जा सकती है। आगे कहा कि हिन्दी कार्यन्वयन का शुभारंभ हिन्दी में बात करने से करना चाहिए। फायलों में प्रयोग किये जाने वाले आम टिप्पणियों को हिन्दी में लिखना चाहिए। जहाँ तक हो सके हिन्दी में हस्ताक्षर करना चाहिए। किसी रिपोर्ट को भेजते समय उसकी कवरिंग लेटर हिन्दी में बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह छोटी बातों में ध्यान देंगे तो हिन्दी के लक्ष्य को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।अंत में हिन्दी के प्रगति में आगे बढाने के लिये सभी को प्रोत्साहित करने के साथ आगे बढने की शुभ कामनाएँ भी दी। फिर निदेशक जी ने मुख्य

अथिति को एक सुंदर मोमेन्टो भेंट किया। अन्त में श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, हिन्दी अनुवादक ने सभी को धन्यवाद देकर इस कार्यक्रम को सफल रीति से सम्पन्न किया।

सभी का स्वागत करते हुए

वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए

निदेशक जी का भाषण

विजेताओं को पुरस्कार देते हुए

मुख्य अथिति का भाषण

सभा में उपस्थित कर्मचारियाँ